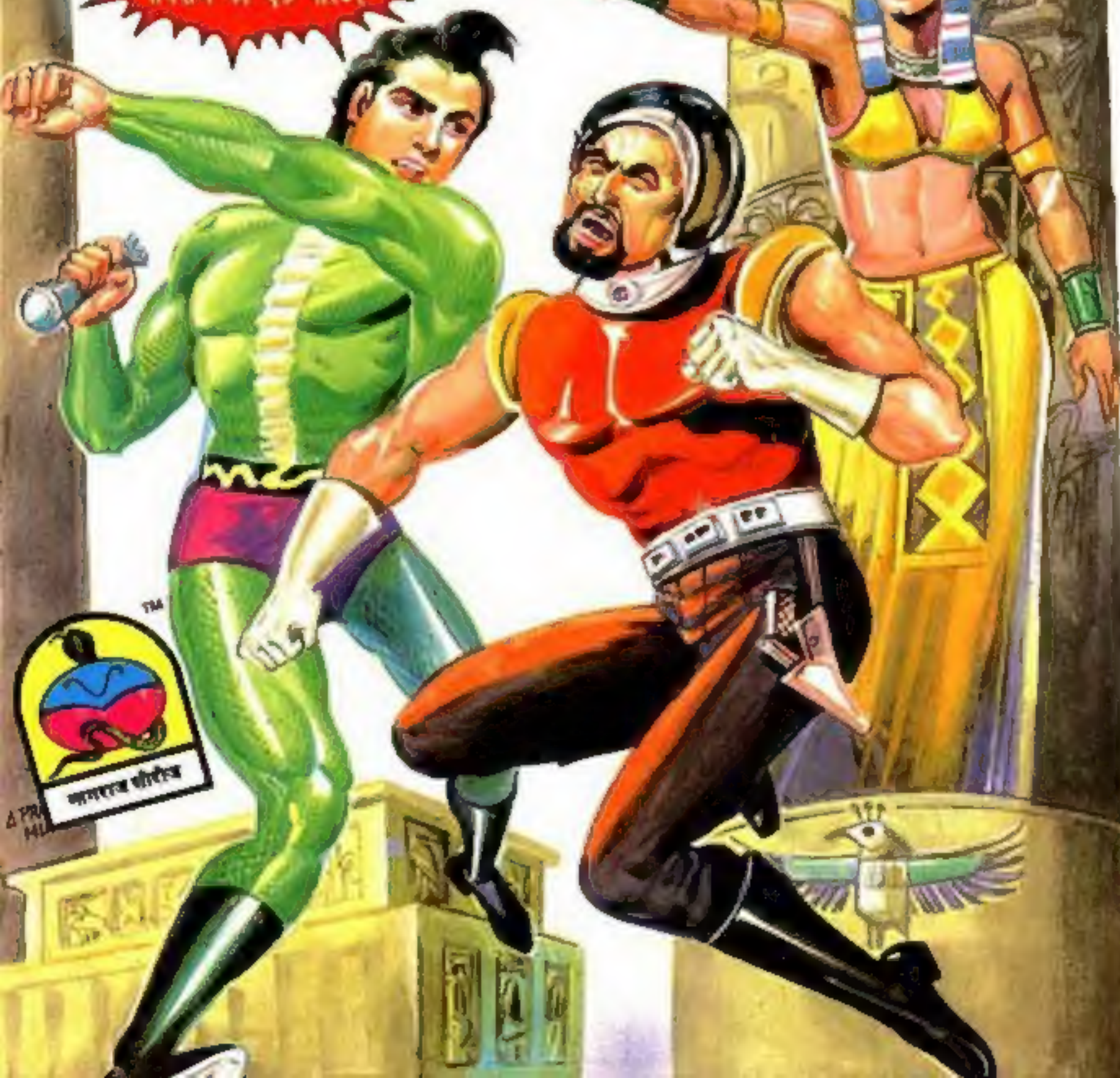


राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 390

विराजिडों की रानी नागराज

मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर



नागराज और पिरामिडों की रानी

लेखक: लक्ष्मण कुमार वर्मा
कल्पक: मनीष चंद्र मुस्त
कथा निर्देशक: प्रताप मुखर्जी
चित्र: चन्दू
सुविध: उदय भास्कर



रहस्यमय पिरामिडों के देश मिस्र की राजधानी,
काहिरा! जहाँ आजकल मंडसया था एक अभूतपूर्व संकट!

क्या था वह संकट, जिसे दूर
करने आ पहुंचा था नागराज?

एक बार फिर, काहिरा की धरती पर -

पिरामिडों के रहस्यमय संसार में।



भारत- एक्ज फूड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ॥ विज्ञापन
से बच्चों के लिए बनी पौष्टिक एवं अतिस्वादित
डबलरोटी 'जेप्सी' के वितरण के लिए फैक्टरी से
बाहर निकाला कम्पनी का वह ट्रक ॥



और पप्पू बेकरी पर मची थी
धूम-

PARBU BAKERY



एक दिन पहले बाजार में
आई 'जेप्सी' के दीवाने, ये बच्चे -



झोल ॥ झोल ॥ 'जेप्सी' का एक
भाला ही होगा जेप्सी-पुंड लेकर
वो वो आ बन्धी जेप्सी।





जरा मी तो स्लोफ नहीं स्थाया था मासूम ने-



अगर वह आत्महत्या नहीं थी तो ये क्या था?

उसी की तरह यह मासूम खुद ही मूल गई थी फांसी के फंदे से।

इंस्पेक्टर मोहन भण्डारी का बेटा -

पापा के सर्विस रिपॉजिट की एक गोली मुझे सदा की नींद सुला देगी।



और तूफान मच गया लैब में। चीख पड़े लैब
इंचार्ज मिस्टर कणेश -



अरे बेटा, जो है,
वो बिम्का नहीं,
साप्पन्यूट्रिक एग्जिट
है... उफ...

ओह!

उफ! धारों
को क्या सूझी
आत्महत्या की?

भारत के कोने-कोने से आ रहे थे बच्चों
द्वारा आत्महत्या करने के समाचार।

शूरेप-बुलबारा की राजधानी, सोफिया -

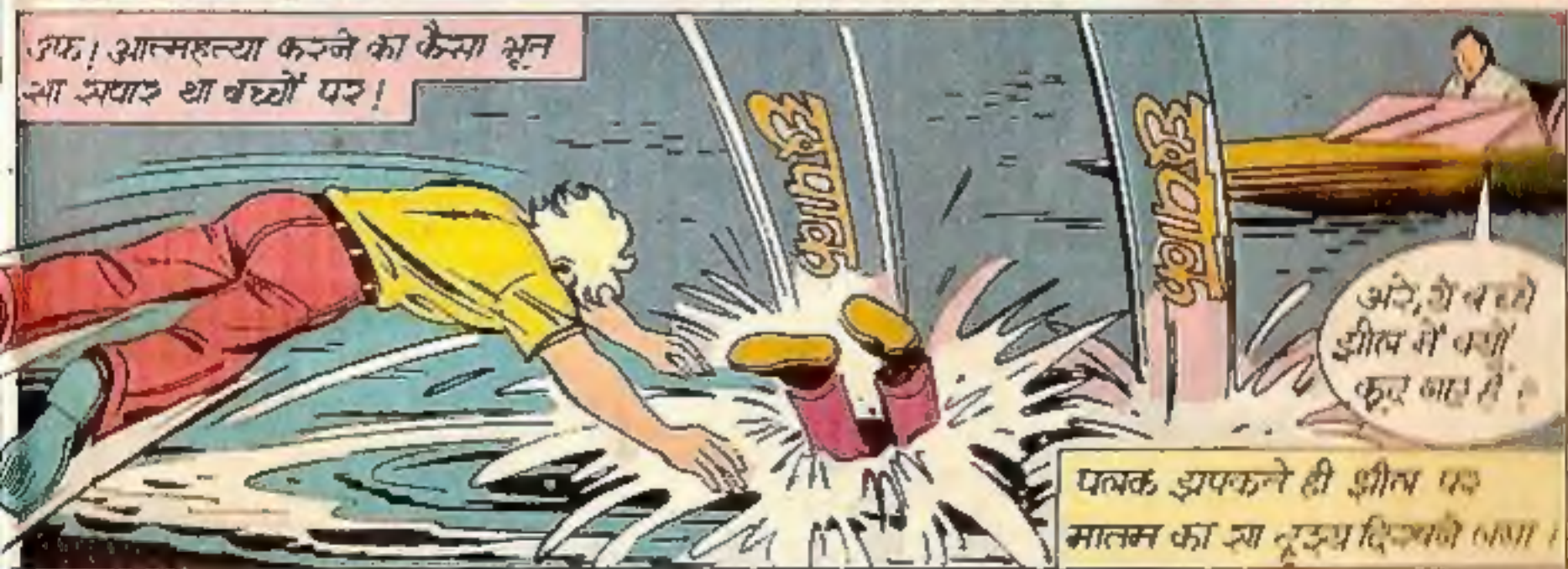
सोफिया झील की ओर बढ़ रहा था बच्चों का वह झुण्ड-



झील में
डूबकर मरना
है मुझे।

सोफिया झील
बनेगी मेरी
कब्र।

उफ! आत्महत्या करने का कैसा भूत
सा समाचार था बच्चों पर!



अरे, ये बच्चे
झील में क्या
कर गए हैं...

पताक झपकने ही झील पर
मातम का सा दृश्य दिखाने लगा।

फ्रांस की राजधानी पेरिस -



विश्व का एक
अडार्च-एफिल
टॉवर ।



बग़्गे-मुन्नों की वह लोथी क्या
संघ-सी है

इतनी ऊँचाई से
बिड़ कर एक ऐनि-
हासिक मौन
मिलेगी मुझे ।

एफिल
टॉवर से बिड़
कर मैं सचमुच
जिन्द नहीं
बचूँगा ।



और चीखें निकल गई अन्य
पर्यटकों के मुँह से-

बच्चों एफिल टॉवर
से कूद गए हैं ।

बच्चों द्वारा
आत्महत्या ।



एशिया-प्रधान हॉन्कॉंग -



अगर मैं वे
बोट दूसरी बोट से
टकरा दूँ - तो मेरे जिन्म
के घोड़ों उड़ जायेंगे । वाह!
यह होगी एक घात-
दार मौत ।

चिखते ही तो ऊड़ा मिथे
 हो-जाने अपने जित्तके-



कुर्कैत-स्थान, आपकुर्कैत।



कार के पेट्रोल टैंक में आग दो गुलामनी हुई
 तीली। और हो जाये अल्लाह को प्याये



बारूद के समान फट गई कार।



हंसते-हंसते खुद को मांस के लोथड़ों में बदल
 बिठा था मौत के उस दीवाने ने।

विश्व के छोटे-बड़े देश हैरान थे। दुनिया भरके बच्चों पर
 यह कैसा परभावजन सकार हो गया था।



बच्चों द्वारा आत्महत्याओं की बढ़ सी आ गई थी।
 विश्व की जासूसी एजेंसियां एकएक सक्रिय
 हो उठीं।



लेकिन परिणाम की...

नागराज !

प्रोफेसर नागमणि का
आविष्कार !

बाबा गोरखनाथ
का शिष्य !

मानवता का रक्षक !

जिसके जन्म में
गम्य करने हैं
सैकड़ों वर्ष उसके
इतिहास पर जर्म
की दुनिया में
स्वर्णमय मय
हैं जो ।

लेकिन आज खुद
नागराज के मन-मस्तिष्क
में मची थी स्वाध्यायी !

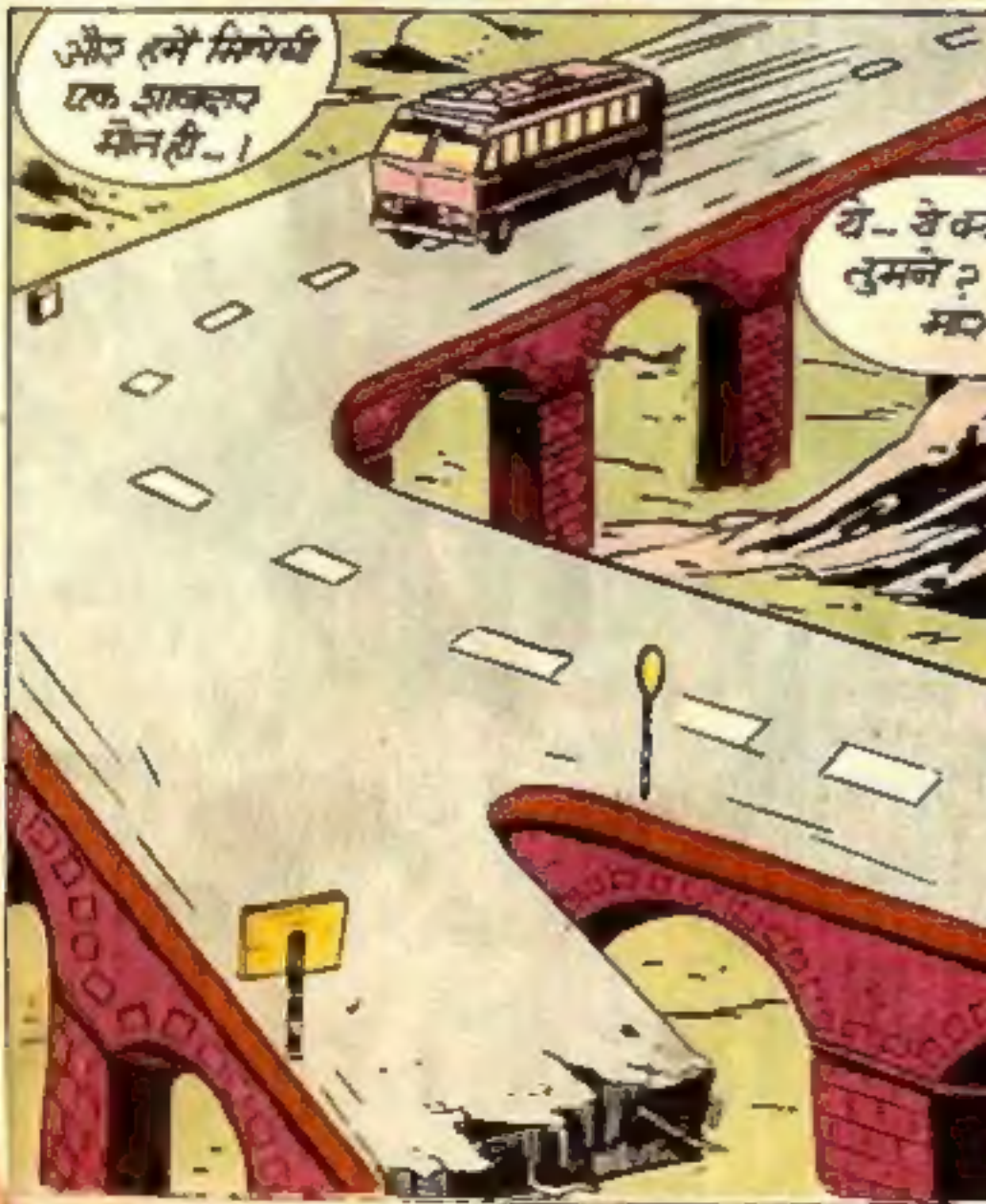
इतना बेधेन ! इतना
स्तब्ध कभी न रहा था
नागराज !

विश्व के मायूम
कर्णधारों द्वारा आत्महत्या
की प्रवृत्ति के जन्म लेने के
पीछे कौन सी अंतर्निहित शक्ति
है, मुझे पता लगाना
है उसका ।



इसकी के उत्तर में क्या (वीर हज़ार की कुल आबादी वाला) पिछले का सबसे बड़ा देश बन-मैरिज !

होपी-क्राउस्ट पब्लिक स्कूल की वह बस बज्रह्वयों की लेकर अपना संचालन का सफर तय कर रही थी...



हमपां सड़क पर लूफान स्त्री गति
एकड़ापि थी बिना झुड़पर की बसने -

हा-हा-हा!
कुछ पाप बाद मिलेगी
एक शानदार मौन -

HELP!
HELP!

शावधान!
आने पुन
क्षतिग्रस्त है!

OH, GOD!
HELP US!

कई मायूम जिन्दगियों और उनकी मौन के बीच
थ केवल कुछ ही मीटर का फायाप।

जिसे बदन न दिया छ नागरस्त्री ने -

नागरस्त्री, जिसका अर्थ थ - नागराज की मौजूदगी

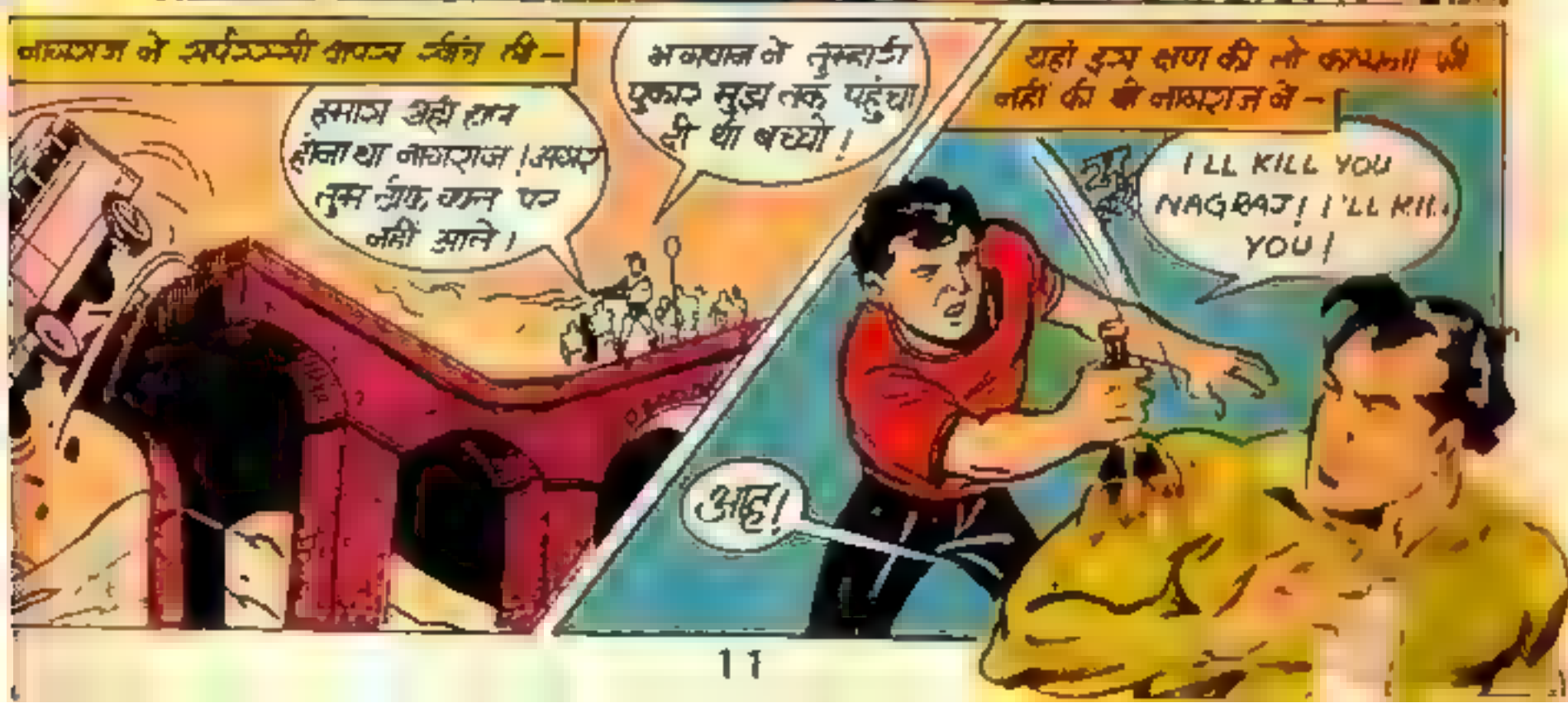
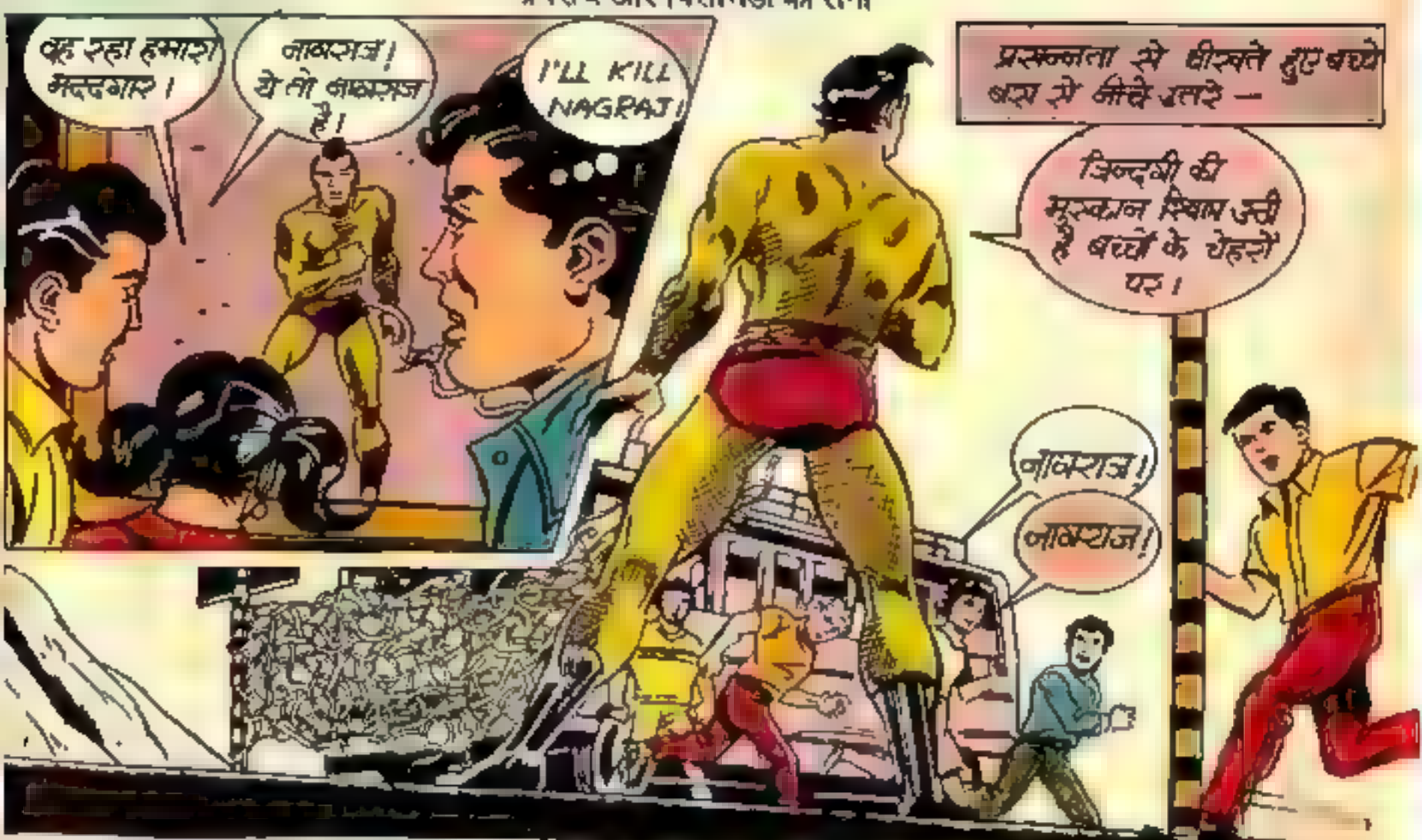
मौन की दहजन से धरधर कांपने लगे -

अरे!

ये बस कैसे
उक गई?

शानदार मौन
का सपना
किसने तोड़ा?

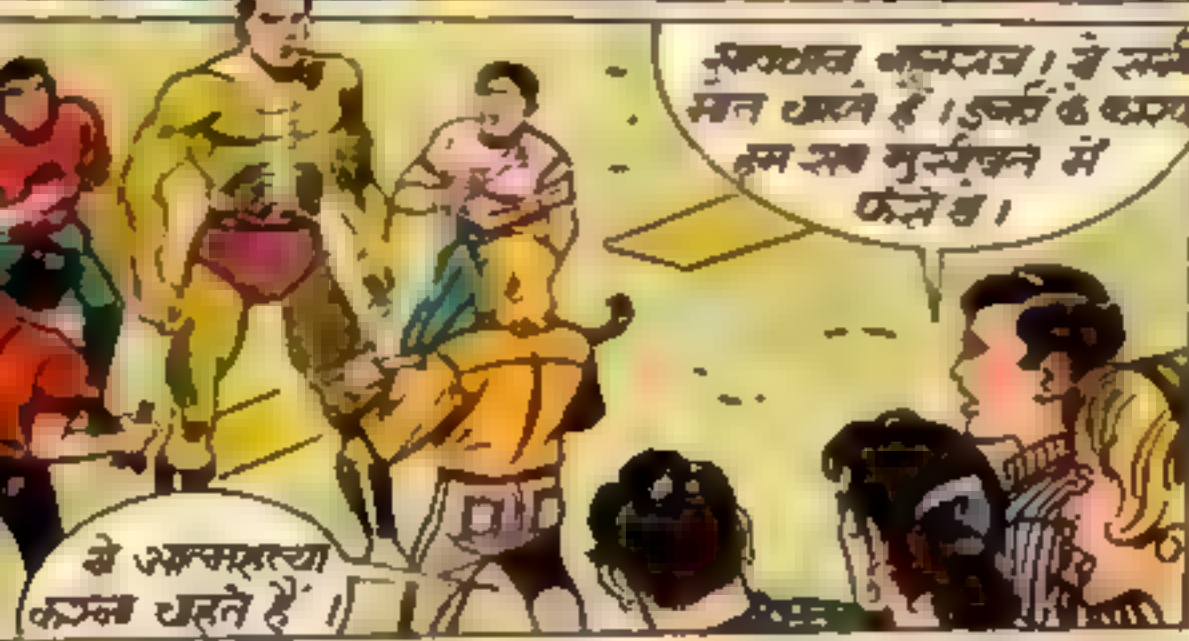
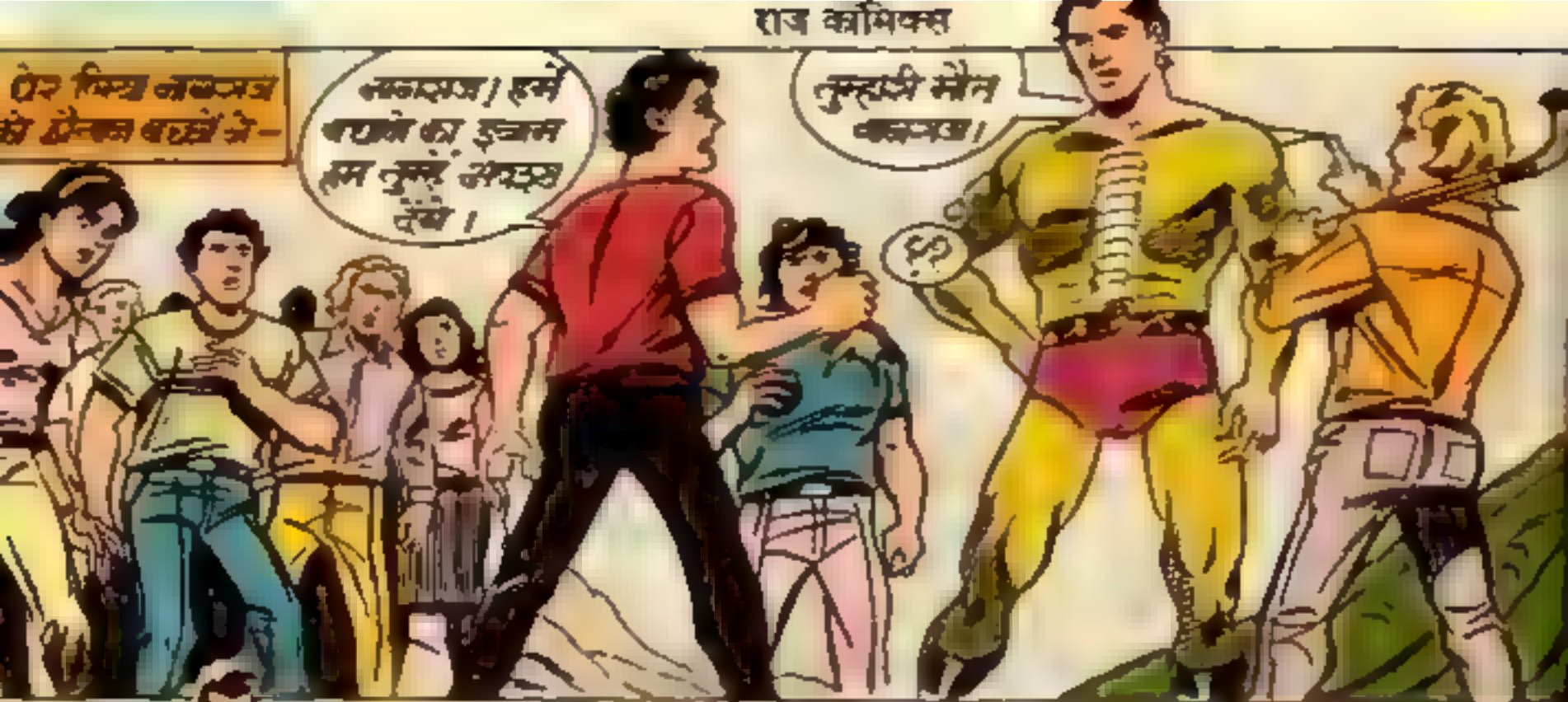
अगर मुझे एक पाप
देर हो जाली तो बस
गहरी ज्वाई में
जा बिरली।



ऐस किया नक़्क़ा
हो ऐसका बख़्तों ने-

नक़्क़ा। हमें
बख़्तों का इज्जत
हम तुम्हें नक़्क़ा
देवें।

तुम्हारी मौत
कक़ा।



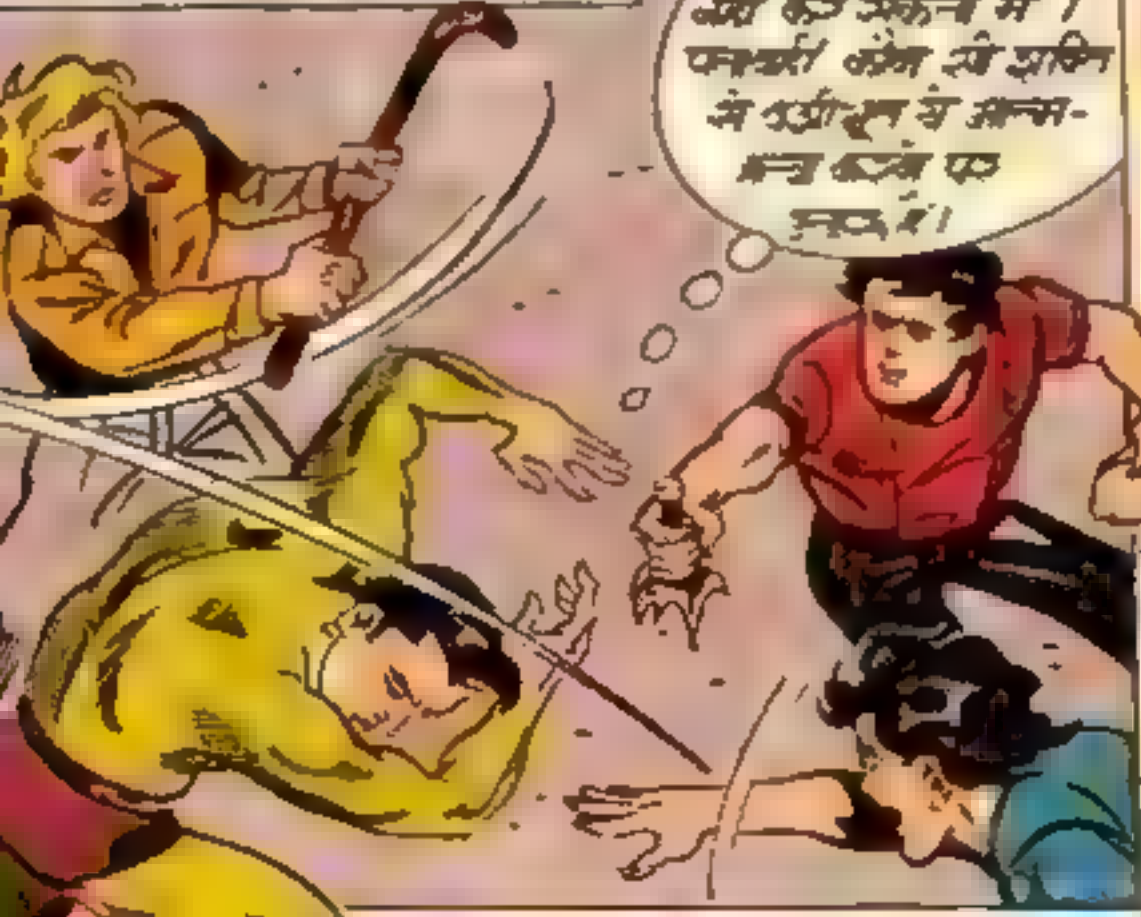
नक़्क़ा नक़्क़ा। वे लम्बे
मौत जानें हैं। इन्हीं के कारण
हम सब मुरख़ान में
फ़ले हैं।

तुम्हें तरह से उस चोंक एल कक़ा

आक़्क़ा
अह!



सब एक साथ दूट पड़े बग़ल पर-



इस नक़्क़ा पर वर
करी का मक़्तब मैं।
फ़ाक़री क़ैल से इल्लि
में उड़ी हूँ ये मक़्त-
बन क़ैल पर
इल्लि।

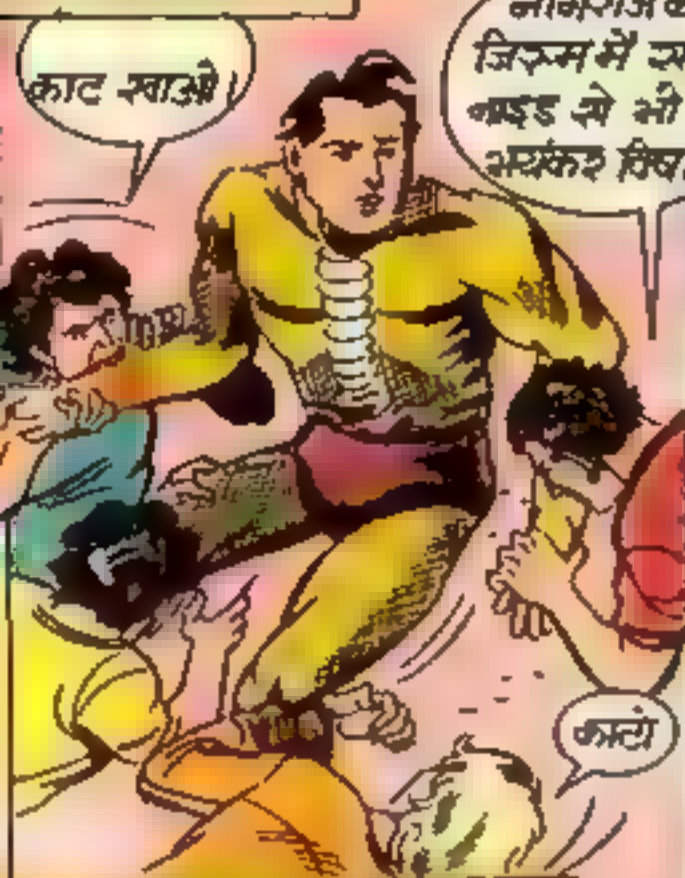
नक़्क़ा ने उन्हें बेमोता कर देखा हो
रग़िन समझ किन्तु -

नक़्की विष-
पुंजाइ इन्हें चंदा
का देना।



क़री, हमें
बेमोता करी देना
हमें मक़्तब

इस दुष्ट की तो कल्पना भी नहीं कर
सकता था नागराज -



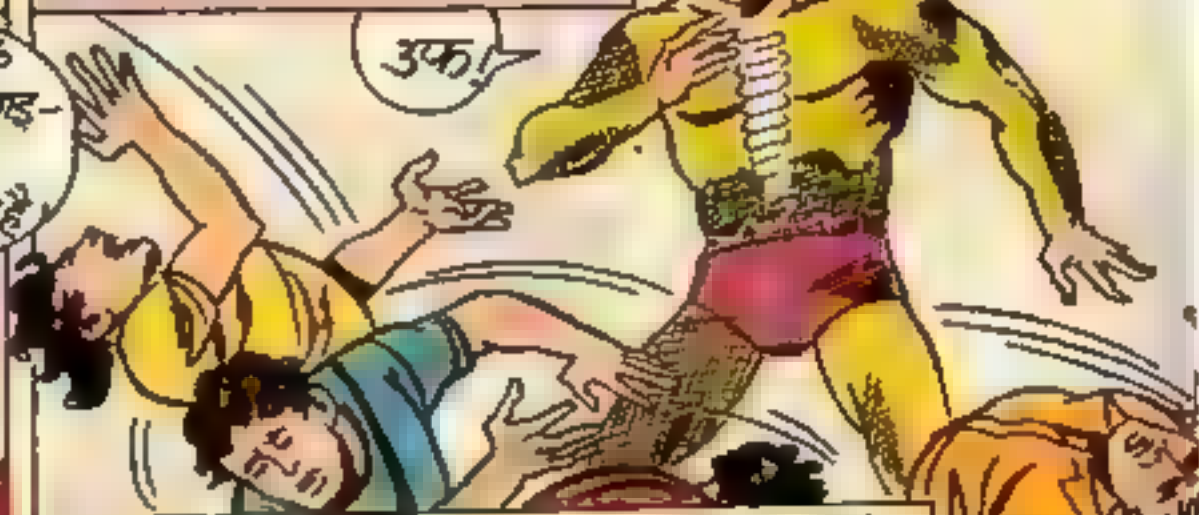
काट खाओ।

नागराज के
जिस्म में यह-
बाइड से भी
भयंकर विष है।

क्यों

लौन बढ़ा दियो कने बच्चों ने
नागराज के आँखें पर।

उना से खड़ा रह गया नागराज।



उफ!

भयंकर विष समझा गया गया था उनके जिस्मों में।

पिछले जमे गए तीव्र विष के प्रभाव में आँखें उन मायूमों के



आत्महत्या का
मुक़द़्दर था
इस पर तो।

नागराज से सब
माँह गये ?

मैं जानती थी वे
खुद को ज़क़म
कर देंगे।

किन्तु मेरा ही जिस्म इनकी
मौत का कारण बन गया।

नागराज! आन-
मरिजों में आजकाल तो
ही चीखें बच्चों के लिए
रक्तस्राव का
विषय हैं।



जेप्पी ब्रेड! ओं
आत्महत्या।

जै-
जेप्पी ?



हैं नागराज! हमसे भी भुजा
है जेप्पी ब्रेड के विषय में। बच्चों
जेप्पी के दीवाने हो गए हैं
नागराज!

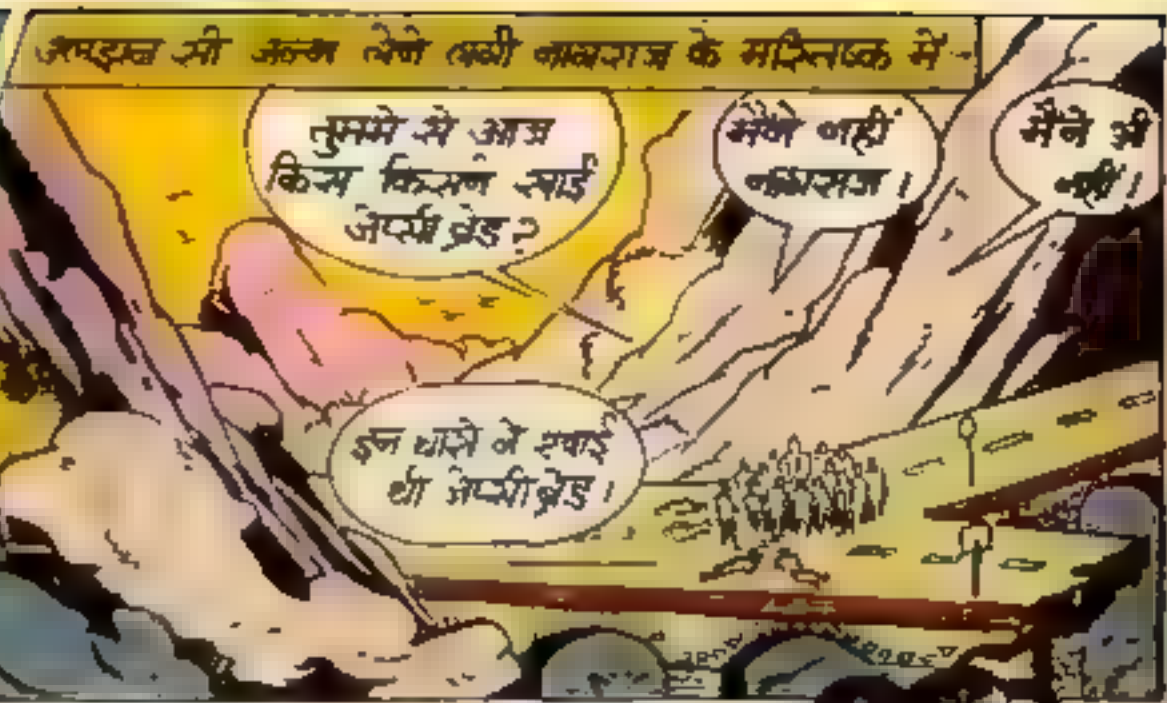
मैं पिछले दो
दिनों से दूँद खा
हूँ जेप्पी।





...लेकिन कब आती है और कब थक जाती है जेप्सी, पता ही नहीं चलता।

जेप्सी



जपान की जल तैरे लकी नागराज के मस्तिष्क में-

तुमसे से आज किस किसने साई जेप्सी ब्रेड?

मैंने नहीं नगराज!

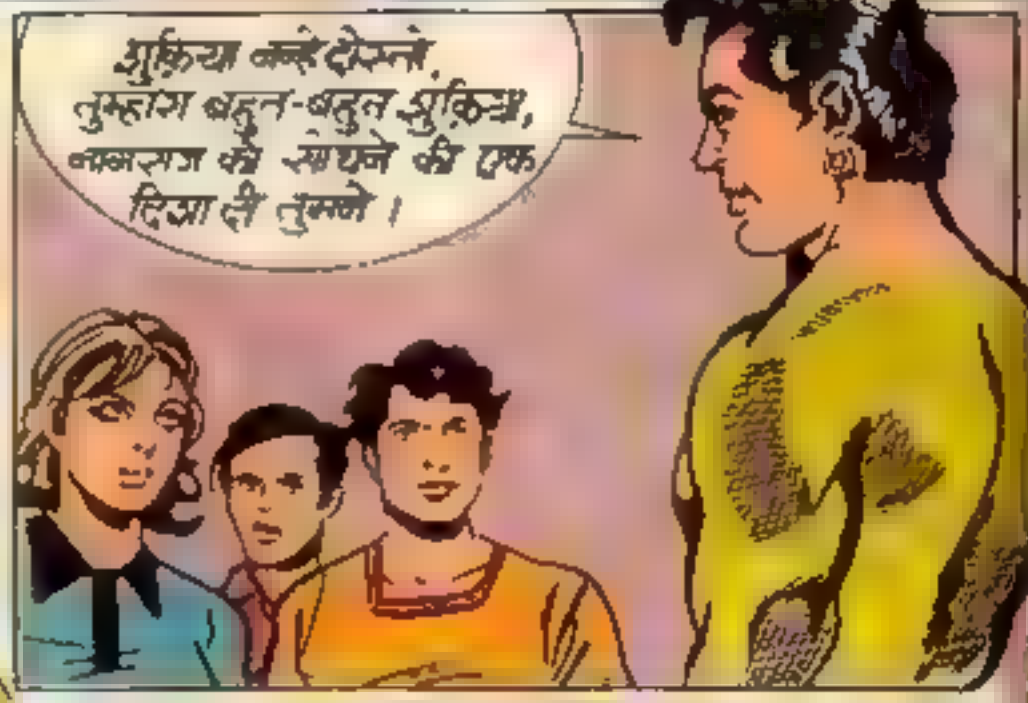
मैंने भी नहीं!

इन घासे ने साई थी जेप्सी ब्रेड!



आह वो वर्ये जिन्होंने मंरे देखने ही देखते मान का अर्थ लगा दिया... एक। कहीं जेप्सी मंरी ले करूँ गाइवड नहीं है?

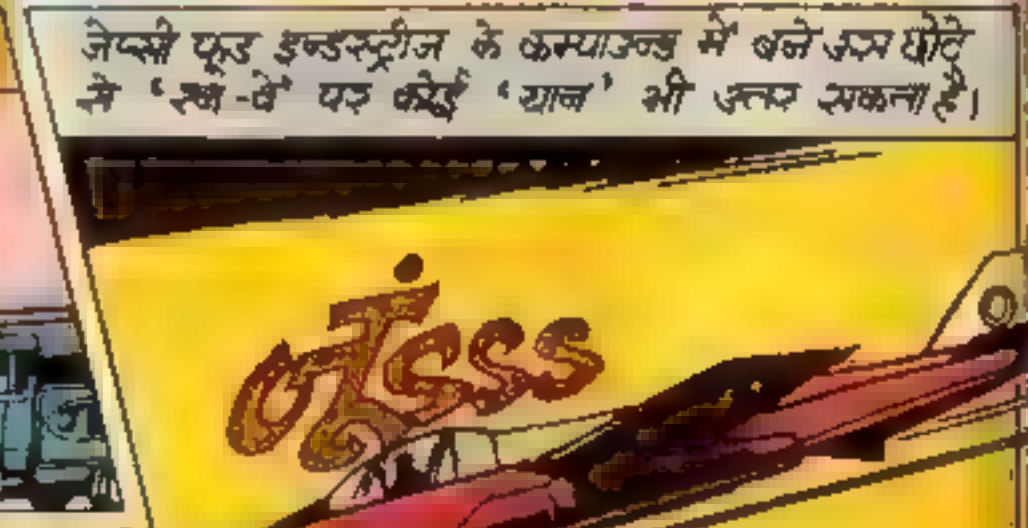
जपान की मंरी लकी उसके जेहन में।



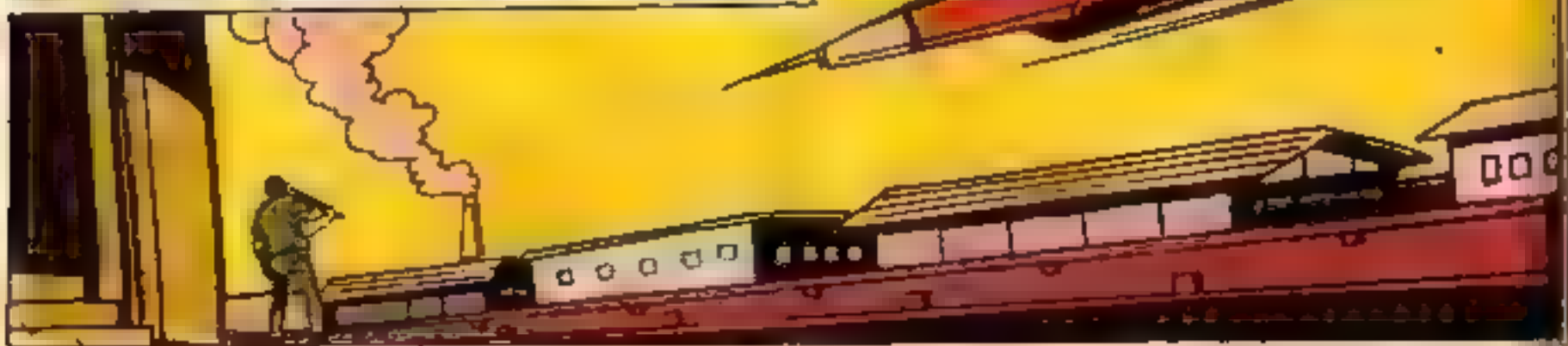
शुक्रिया कहे देखने तुम्हारा बहुत-बहुत शुक्रिया, नगराज की सोचने की एक दिया दी तुम्हारे।



एक फूड इंडस्ट्रीज, जल मस्तिष्क!



जेप्सी फूड इंडस्ट्रीज के कम्पाउन्ड में बने उस छोटे से 'ख-वे' पर कोई 'यात्र' भी उत्तर सकता है।



यूरोप का सबसे खतरनाक वैज्ञानिक 'डॉन' था
उस शान में -

'सर - डॉन' का
स्वागत है!

कहो फ्रांसिस्को!
कैसे हो?

सर डॉन और उसके शान के विषय में जल्द के विषय पढ़ें - 'नागराज और राजमहल की खोज'

अच्छा हैं सर डॉन, लेकिन कसाव का
है आपका ये शान। प्रकाश की गति से
धमती है, यहां तक कि गडार
तक इसके सामने में धोखा
जाते हैं।

इसके बिना हम
अधरे हैं फ्रांसिस्को। दुनिया
भर में 'जैप्पी' के साथ शान -
मेरिनो में काली है...

... जैप्पी की डिप्लोमी
के लिए हमें एक घण्टे
में पूरे संसार का
धककर भगाना पड़ रहा
है। शक्ति इस शान के
बिना मुश्किल ही
नहीं असम्भव है।

आज हमें जैप्पी
की फुल रिपोर्ट लेनी
है विश्व भर में कैसे
अपने एजेंटों से।

यह लेख
रिपोर्टिंग क्रम
में आपका ही
इंतजार कर रहे
हैं, सर डॉन!



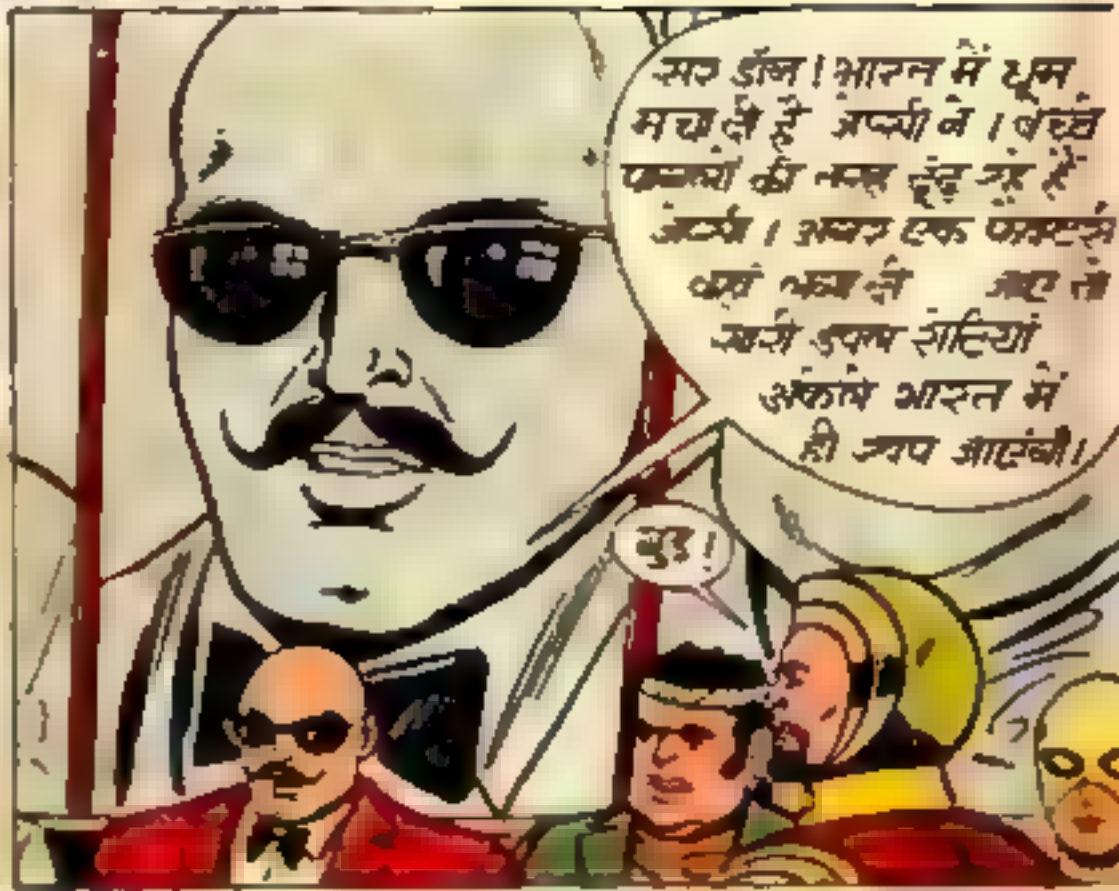
ओह!

REPORTING ROOM





जब वेस अपने-अपने एरिया की जैसी रिपोर्ट देना करें।



सर डॉन! भारत में धूम मचा दी है जैसी वे। वेस पत्रों की तरह हूँ मैं है जैसी। अगर एक पत्रों का कब ले जाए तो उसे इस संस्थाओं अंतर्गत भारत में ही जग आहंबी।

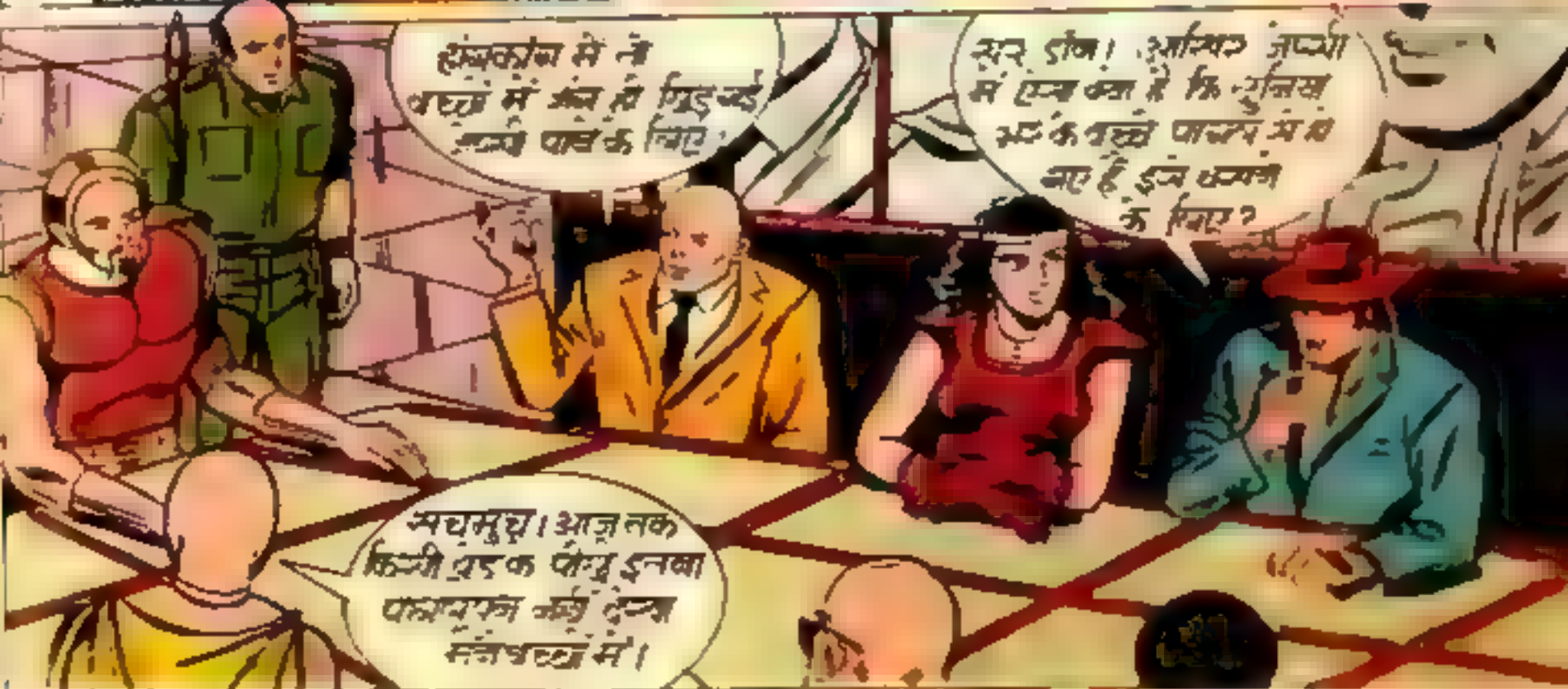
बुड!



बुधवारिया के धर्मों का भी वही हाम है सर डॉन।



पेरिस में तो सत का ही प्रतीकान्त बच्चों की पंक्ति का लाल आत्म ही जैसी है जैसी है!



हमकान में तो बच्चों में जैसी ही गिद्ध जैसी पांच के लिए।

सर डॉन! आर्य जैसी में एव का है कि गुनिस भू के बच्चों पांच में जैसी है इज कान के लिए?

अधमुर। आज तक किसी एक पंच इनका पत्राचार का देना संभव नहीं है।

जवाब में सर डॉन ने भगाया एक विजयी अट्टहास -



हा
हा
हा

सर डॉन से प्रहल करने की हिम्मत कैसे पड़ी तुम्हारी ?

स... ओंसी सर डॉन !



अब मैं ही फल कलश हो गई इसकी मुस्क मुझ -



अब आप लोग जा सकते हैं। समय पड़ने पर हम फिर आपको यहाँ बुलायेंगे।



मीलिंग इम्पान की सरडोन ने-

अपने शत्रु की तरफ हम सर डॉन -

अच्छा प्रशंसितको! इस समय एक बेहत जकरी कार्य से हमें मिला के पिनामिडो में फाँटना है।

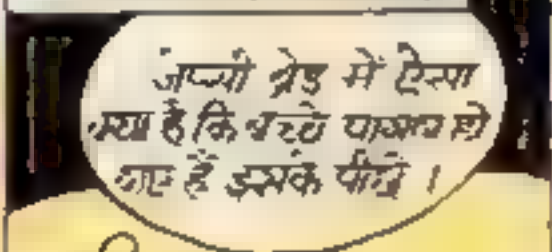


तब तक इधर-शेरियों की नई खेप नेगा हो चुकी होगी सर डॉन !



इधर उड़ा सरडोन का वह अज्ञाना यान। और इधर एवम फूड इण्डस्ट्रीज के ऊपर मंडराया काग। नागराज !

अपनी ब्रेड में देखा गया है कि बच्चे पाक्य हो गए हैं इसके पीछे।



बच्चों में आत्म-हत्या का क्रमाद इसी ब्रेड को खाने से चल रहा है।





जेप्पी की तरह
तक पहुंचना हीचा
मुझे।

नागराज! ००

फ्रांसिस्को के हांडा उड़
गाए थे उस इन्जिन को
दबकर।

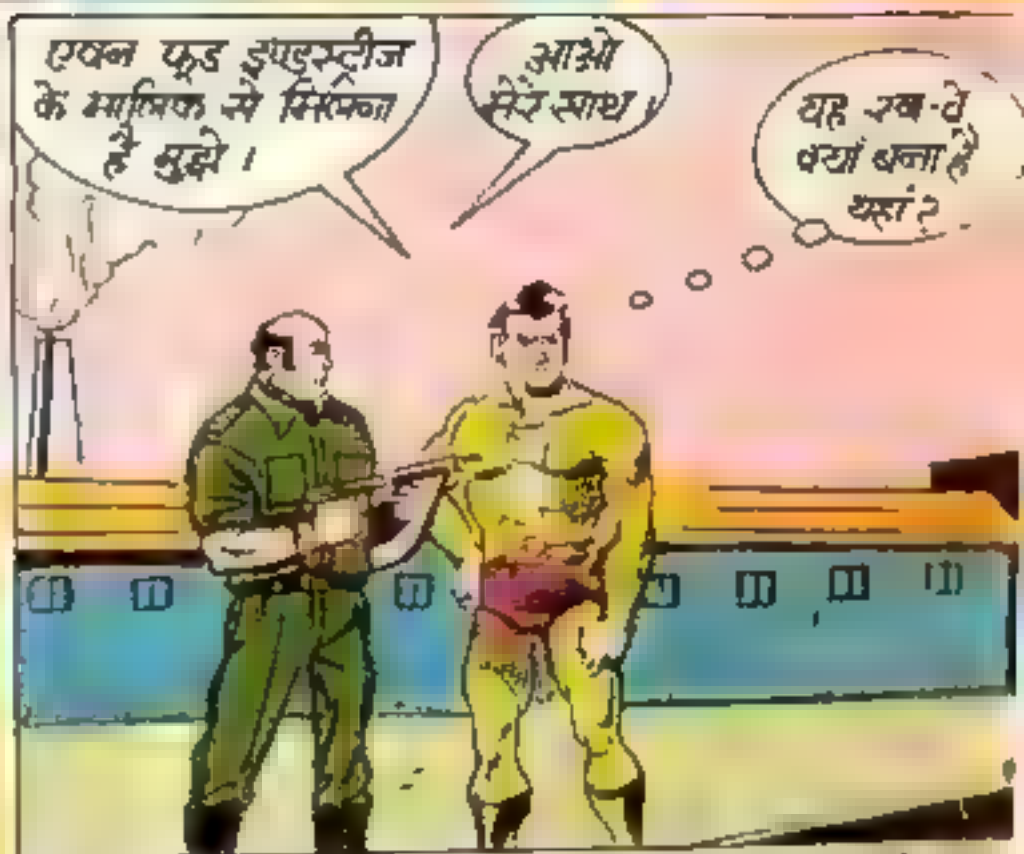


नागराज ने पुकारा तो सांस तक रुक गई उसकी-

ऐ! सुनो। क्या
नाम है तुम्हारा?

फ...
फ्रांसिस्को।

नागराज यहां
क्या करने आया
है? उफ!



एकन फूड इण्डस्ट्रीज
के मॉनिग से मिलना
है मुझे।

आओ
मेरे साथ।

यह सब-वे
क्या बना है
यहां?

नागराज की बिनाह से छिपकर वह कलाई वाली का
एक गुप्त वॉलन दबा चुका था।



अ मुझे पहचान चुका है। इसके
घेहते को एवगहल इस जल की धुलाई
जा रही है। इसका मतलब मे तब
जबकि पर आ पहुंचा है।



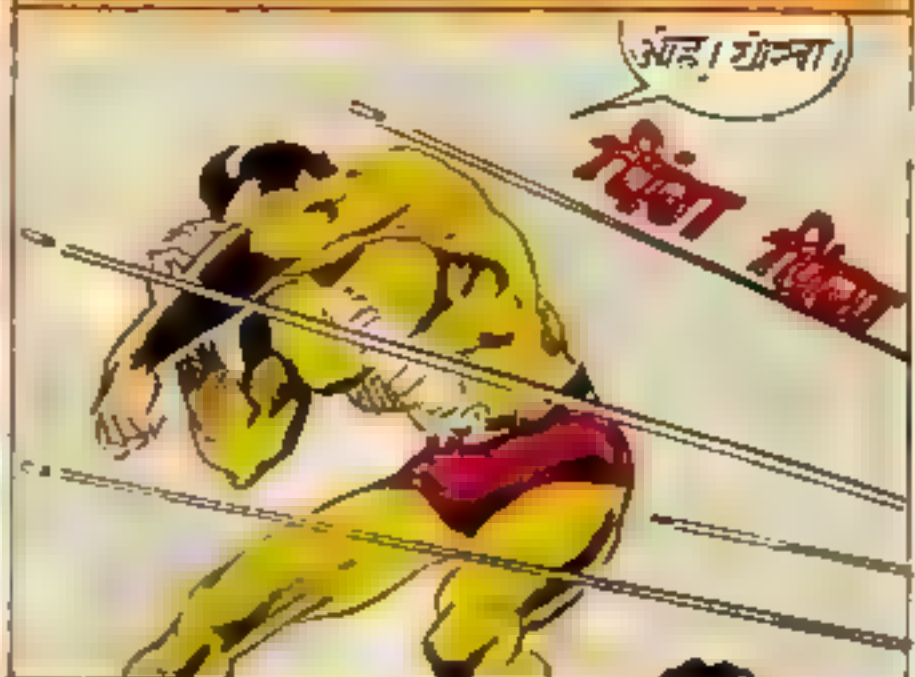
आओ
नागराज।

ये कमी है
ता रहा है
मुझे।

और कम ! यही एक बड़ा नायकनत्र !



याने नरक में ब्रह्म रही जाँझों की जाँझियाँ -



नायकनत्र हँसते-हँसते -

पूरा इंजिन
है। उफ!

अंतर्गत ने घेर लिया
नायकनत्र को -

हाहाहा नायकनत्र! यहाँ
अच्छ अपनी मौत धुन
ली है तुमने।

या डों
की नायकनत्र का
मिर उपहार
मार्गपट्टे।

नायकनत्र। वच
मन पार। क्योंकि मुझे
दुख पार करने की
जरूरत नहीं
पड़ती।

अपने मित्रों
की छिन्ना नहीं है
क्या तुम्हें,
मुझे!

नायकनत्र का
मिर कालना
मुझे बच्चों का
जग नमड़ा मित्र
है क्या बच्चे?



वाकनत्र की जगह में ह -

आजकल वाकनत्र का काम ही मुझ का जगह है। आज मुझे जगह का फर्क ही पारो का दम जगह है मम।





अच्छा हटा लूंगा।
सर डील अहां क्या
बुलबुला रहा है,
फिर तुम ये
कहाओ।

यह बकवास
हैं इस वक्रे में
कुछ नहीं माफूम



सर डील वहां से पूरे
मंगल में 'जेपरी' बड़े
डिप्रीव कर रहे हैं। इससे
ज्यादा हममें से कोई
नहीं जानता बकवास!



इस समय कहाँ
हैं सर डील?

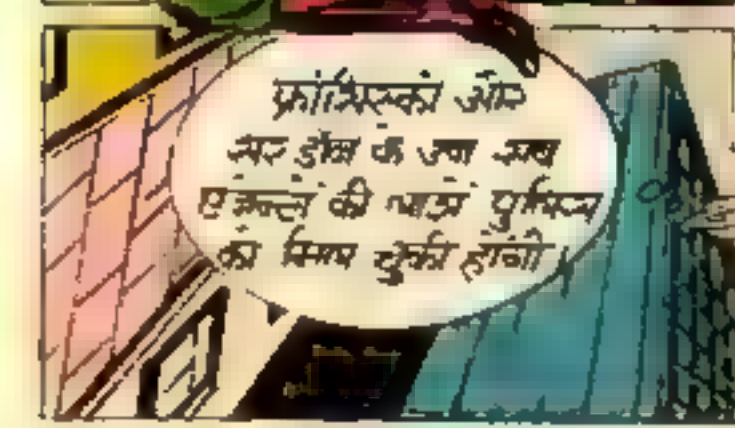
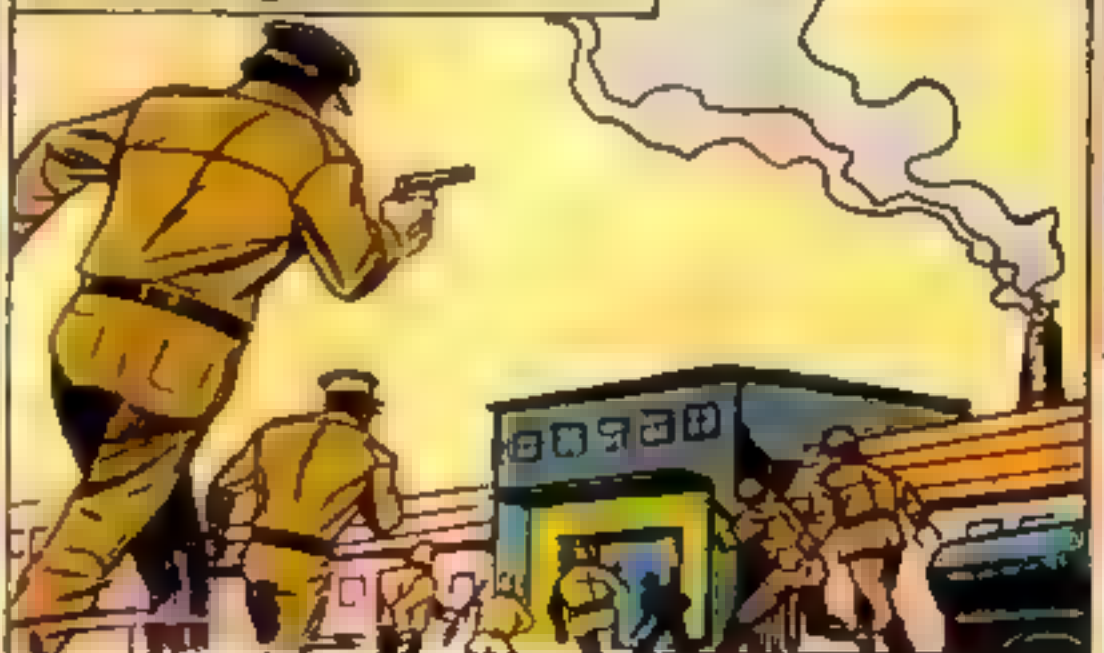
म... मित्रों के
पिरामिडों में।



मित्रों के
पिरामिड।

... सर डील वहां
पिरामिडों में क्या
कर रहा है?

जैसे कि जब बकवास वहां से गया तो एक बूढ़ा इण्डस्ट्रीज
का अर्ध-अर्ध पुलिस के कठजे में था।



फ्रांशिसका और
सर डील के जो अब
एकल की भाग्य पुलिस
का सिंग चुकी होंगी।



एक बार फिर मंडरा ज़ुआबा वायव्यमय मित्र
के पिरामिडों की ध्वजा के रूप में -

पिरामिडों की ध्वजा
के चप-चप में ध्वजा
है सोइली। मंडरा नक
धरी वे जायेंगे मुझे।

पिरामिडों के उस रहस्यमय संसार के वर्ध में -



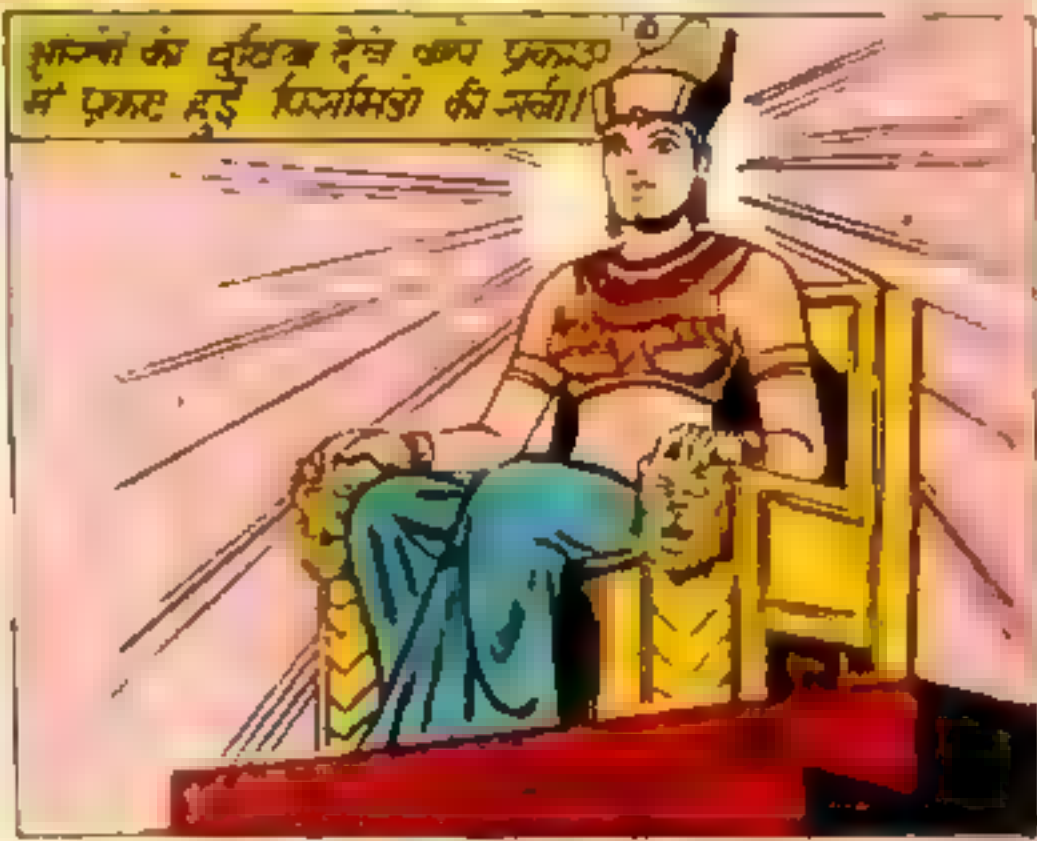
है अब 40 अर्कदृष्टों में भी अधिक वर्ध में
असुर मित्र के हि मय्य के हुए हैं।



मंडरा। आपका स्वागत
करता है पिरामिडों की रानी
फिरा के राज महल नुनेल
स्वागत की अर्धनिर्मा-
रानी अर्धनिर्मा!



मंडरा की ध्वजा देव कप प्रकाश
में प्रकाश हुई पिरामिडों की रानी।



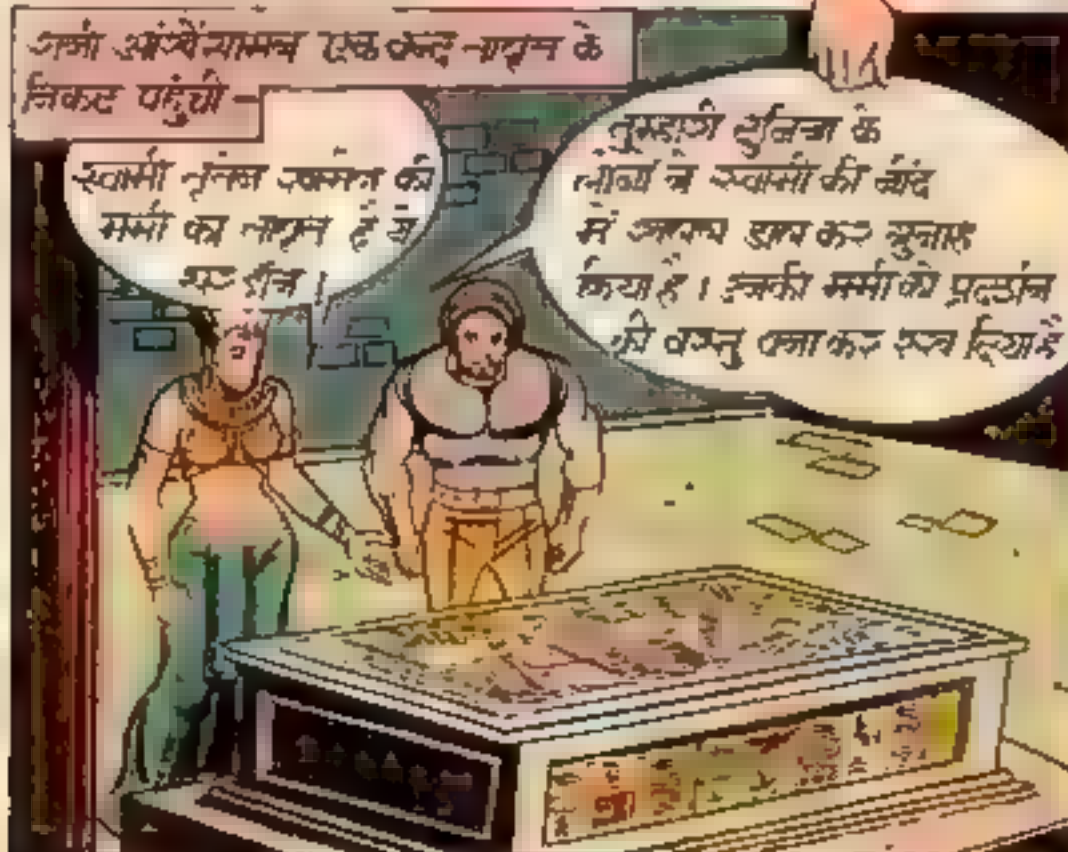
अब नक इनका लक्षण है मुने की अर्ध
अर्ध न। अब ध्वजा ध्वजा पिरामिडों की रानी
की ध्वजाक भायका नो हो अर्ध ध्वजा -



पिरामिडों की
रानी अर्धनिर्मा नक के
संदर्भ का प्रकाश।

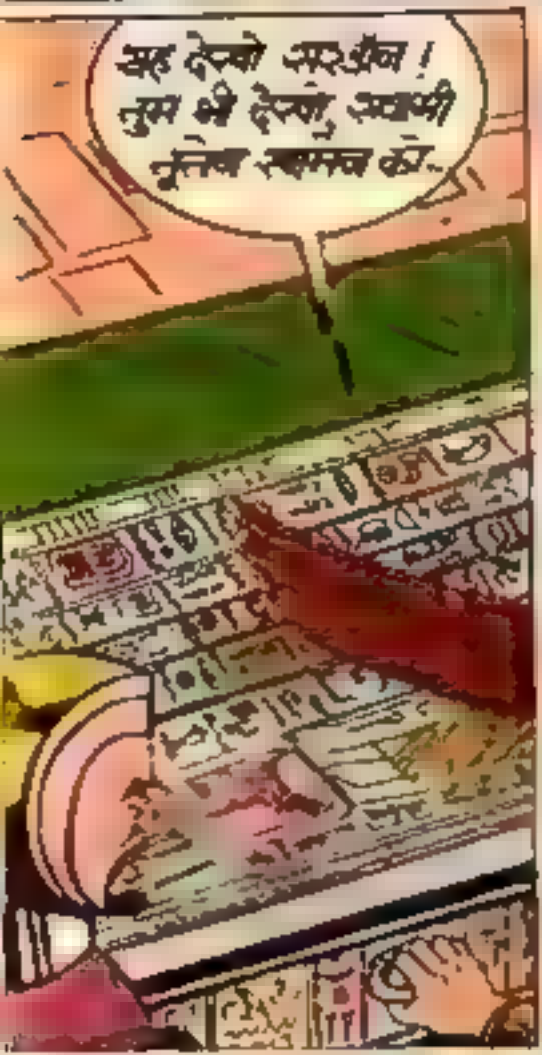
हम मुद्राक काम ध
अर्ध ध्वजाक है ध्वजा
मंडरा की ध्वजाक
ध्वजाक ध्वजाक
ध्वजाक ध्वजाक
ध्वजाक ध्वजाक
ध्वजाक ध्वजाक







— जिसका बेंकाक एण्ड
में खरब रुपी कलमत्र की —
एर उसने एहो मुझे महान
नूतन शक्ति का देना है
असूय मन्त्र प्रजड!



अह देखो अरुण !
तुम भी देखो, अरुणी
नूतन शक्ति को



— जीवित होना है
अभी इन्होने ।



महान नूतन शक्ति को
जिसमें बिलाने के लिए अभी
अच्छे बच्चों की बलि की
आर अलङ्कार है आइए !
अच्छा अभी कई जो जो
नव अरुण इन्हें अरुण
जिसमें प्राप्त करने में

इस काम को
एवत्र ने नूतन
मिथेन महान नूतन
शक्ति का पूरा
संजाला ।



आप फिर न करें
पितृमित्र की गति । मैं
इस काम को पूरा करने
में दिन-रात एक कर
दूंगा । अरुण महान
नूतन शक्ति हवा
भी मित्र है ।

यह — 'नाममत्र और
ताममहा की घंटी'



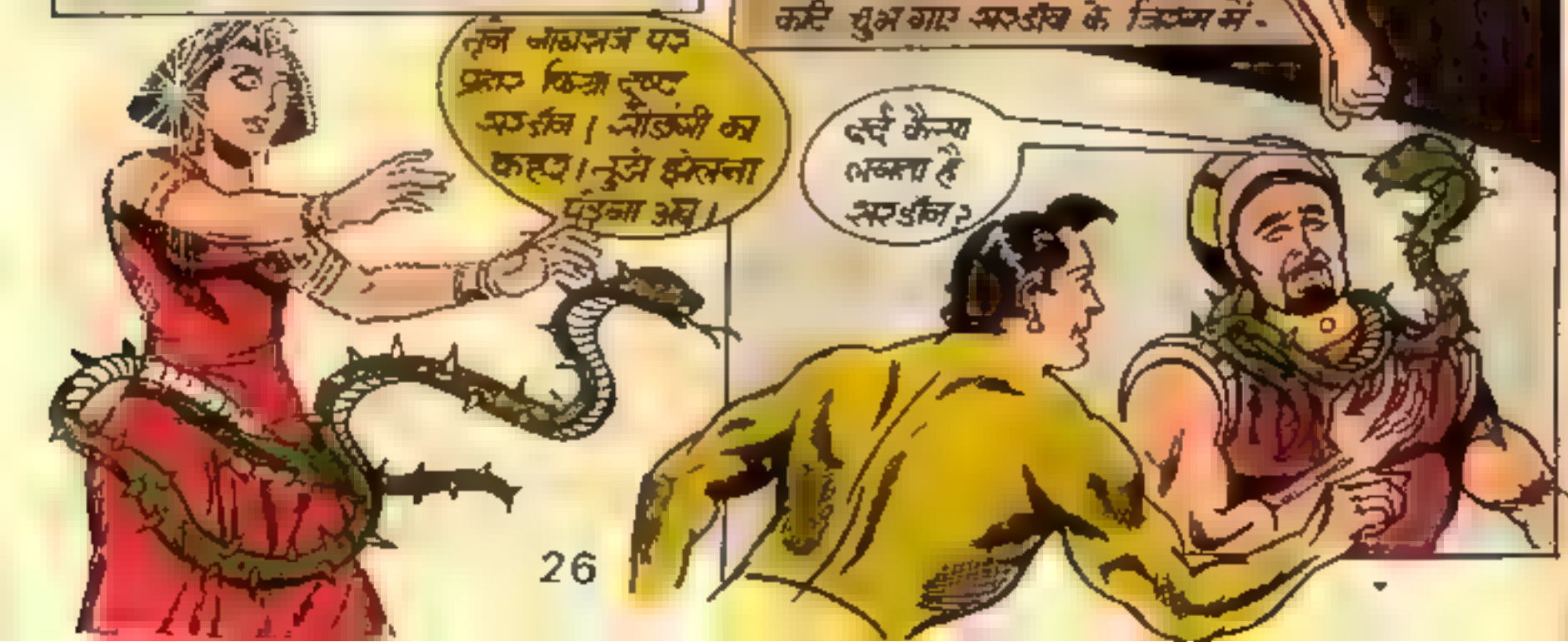
शक्ति आरुणमित्र ने अपनी कमर पर धारी ।
पितृमित्र अरुण अरुण फेंकी आइए की आर
तो फिर अब बहुत अरुण अरुण
अरुण, आर नूतन को अरुण अरुण
प्रदर्शन करें । नरुण आर नरुण
अरुणमित्र का प्रार्थन को ।

लेकिन यह क्या? अस्म ने पहुंच कर किसी और हाथ में।



यह देख क्रोध से फलम हो उठी आंडांजी -

आंडांजी के जिन्म पर उसे सैकड़ों कटि चुभ गए सरडीन के जिन्म में.



जब अनेक-अनेक का विचार कर-



कामराज की बातें थीं अनेक
अनेक ने -



कामराज ने छोड़ी विचारों का जो धारों को
भी सोच की तरह विचार देती है।



जब अनेक ने सोचने के
समय कर दिया -

अनेक-अनेक ने तुम्हारे
वर्णन किया है।



A woman with dark hair, wearing a red sari with a green border and a green snake coiled around her waist, stands in front of a wall. A sign on the wall reads: "कुछ ही कदमों में हमने
एक नया मकान
का बेजुबान ज़िन्दा-". The woman is looking towards the viewer. The background is a simple wall with some rectangular patterns. The ground is yellow. In the foreground, there is a large, colorful, abstract shape.

आज की रात
मेरे लुल्लुके लूके किता
हैं, बसंत की धारा
बिजला पूरा लगेगी
आज मेरी।

A colorful illustration of three people looking down at a large yellow bowl on a table. The woman on the left is wearing a purple sari and a yellow headband. The man in the center is wearing a pink shirt and a yellow headband. The woman on the right is wearing a green sari and a yellow headband. The bowl is large and yellow, and the table is white. The background is a solid yellow color.

नमो भगवते वासुदेवाय ।
सर्वं कुरु सर्वं ।
सर्वं कुरु सर्वं ।

३००

कलकत्ता के एक मन्दिर का एक मूर्ती कीर्ति के विषय में।

उक।



कहा जैसे भयानक आवाज आती देखी
मोडाली उस समय सीटी पर -



पिरामिडों की सीटी की अपराधना का उदाहरण हमें पढ़ी
पिरामिडों की जली -



नामूना के इलाक
में अपने अब अपना
इस समय प्रेमका
ही होंगे।

पिरामिडों की जली में ही लकड़
बड़े का -



पिरामिडों की जली में जलान
कैला जलान का -



नामूना ने फिर पुनर्जात को नहीं आ की
पर -



तीक्ष्ण पिघ के प्रभाव ने चींटियों का जन्म दिया -

कुछ क्षणों बाद आजाद राजा या नागराज रैमो चींटियों की कैद से -

आंखें स्वामित्र के इशारे से लिफ्ट वह नागराज के जिम्मे में गया करने वाले सैंकड़ों सर्प -



अब आंखें-
स्वामित्र रूच
ना पाएगी
मुझसे।

नहीं रुक!
बचाओ:-

मुझे तो तेरे जैसा
छोटे मोल न दे सके,
किन्तु तुझे ये सर्प
जल्द मार
दायेंगे।

मरती हुई आंखें स्वामित्र के सिर से निकले अंतिम शब्द।

नागराज, मेरी मौत का
कराया माहज नृतेज स्वामित्र
तुझसे जल्द बंधे। तैयार
रहना, अपनी जीप पूरी
करते ही वे आएंगे।
अह!



नागराज नृतेज स्वामित्र के लापन की सोच रहा -

इस प्रकार विजय से जैप्सी का आतंक समाप्त किया
नागराज ने और फिर निकल पड़ा अपने अकल
सफल पर।



अरे! नृतेज स्वामित्र
का लापन कसब हो
रहा है।

देखते ही देखते जा रहा है बड़ा महाज नृतेज का लापन।